11. वर्चस्व से कैसे निपटें ?:—

⇒ अमेरिकी वर्चस्व को चुनौति देने वाली ताकत आज वर्तमान समय में दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। लेकिन निकट भविष्य में भारत, चीन व रूस जैसे बड़े देशो द्वारा अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती दे पाने की सम्भावना है।

⇒ कुछ लोगों का तर्क है कि वर्चस्वजनित अवसरो का लाभ उठाने की रणनीति ज्यादा संगत है। इसे 'बैंडवैगन' अथवा 'जैसी बहे बयार पीठ तैसी कीजै' की रणनीति कहते हैं।

⇒ अपने आप को 'छुपा' लें। इसका अर्थ है दबदबे वाले देश से यथासंभव दूर-दूर रहना।

⇒ कुछ लोग मानते है कि राज्येतर संस्थाएँ अमरीके वर्चस्व के प्रतिकार के लिए आगे आएंगी। जैसे - स्वंयसेवी संगठन, सामाजिक आंदोलन, मीडिया और बुद्धिजीवी आदि।

⇒ 'विश्वग्राम' में एक चौधरी है और हम सब इसके पड़ोसी है। ऐसे में प्रतिरोध की एकमात्र विकल्प बचता है।

☆ GDP :- Gross Domestic Product (सकल घरेलू उत्पाद)

देश की सीमा के अन्दर एक वित्तीय वर्ष में उत्पादित की गई वस्तुओं और सेवाओं का कुल मौद्रिक मूल्य सकल घरेलू उत्पाद GDP कहलाता है। GDP में वृद्धि किसी भी देश की आर्थिक विकास को दर्शाती है।

G.DP = उपभोग + सकल निवेश + सरकारी खर्च + (निर्यात - आयात)

$$GDP = C + I + G + (X - M)$$

9. अमरीकी शक्ति के रास्ते में अवरोध :—

⇒ अमरीकी वर्चस्व के मार्ग की तीन प्रमुख बाधाएँ हैं—

(i) अमेरिका की संस्थागत बुनावट।

(ii) अमेरिकी राजनीतिक संस्कृति में शासन के उद्देश्य व तरीकों को लेकर गहरा सन्देह होना।

(iii) नाटो देशो द्वारा अमेरिका को चुनौती मिलने की आशंका।

10. अमेरिका से भारत के संबंध :—

⇒ शीतयुद्ध के पश्चात भारत द्वारा अपनी अर्थव्यवस्था का उदारीकरण करने एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ने के फैसले ने उसे संयुक्त राज्य अमेरिका के निकट ला दिया है—

⇒ आर्थिक एवं परमाणु उर्जा के मुद्दे पर कई समझौते हुए हैं।

- सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में भारत के कुल निर्यात का 65% अमरीका को जाता है।
- बोईंग के 35% तकनीकी कर्मचारी भारतीय मूल के है।
- 3 लाख भारतीय 'सिलिकन वैली' में काम करते है।
- उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की 15% कंपनियो की शुरुआत अमरीका में बसे भारतीयों ने की है।

⇒ भारत में तीन संभावित रणनीतियों पर बहस :—

(i) अमेरिका से दूरी बनाए रखे।
(ii) अमरीकी वर्चस्व का फायदा उठाए।
(iii) भारत अपनी अगुआई में विकासशील देशों का गठबंधन बनाए। ताकि अमरीकी वर्चस्व का प्रतिकार हो सके।

⇒ अपने मतलब की चीजें बनाना और बरकरार रखना।
उदाहरण :—

(i) सर्वजनिक वस्तुएं :— जिनका उपयोग एक व्यक्ति द्वारा करने पर उसकी उपलब्धता की मात्रा में कमी न होना।

(ii) समुद्री व्यापारिक मार्ग (SLOCs) :— जिनका उपयोग व्यापारिक जहाज करते है।

(iii) इंटरनेट :— वर्ल्ड वाइड वेब (जगत-जोड़ता-जाल) W.W.W.

(iv) ब्रेडनवुड प्रणाली :— विश्व व्यापार के नियम USA के अनुसार

(v) व्यवसायिक शिक्षा :— एमबीए का शुरुआती पाठ्यक्रम 1900 से आरम्भ हुए और अमरीका से बाहर पाठ्यक्रम 1950 के बाद शुरु हुए।

⇒ GDP = Gross domestic Product (सकल घरेलू उत्पाद)

⇒ PPP = Purchasing Power Parity (क्रय शक्ति समानता/क्षमता)

8. वर्चस्व - सांस्कृतिक अर्थ में :—

⇒ वर्चस्व के इस तीसरे अर्थ का रिश्ता 'सहमति गढ़ने की ताकत' से है।

⇒ अपनी विचारधारा व तौर तरीकों के माध्यम से वैश्विक सहमति बनाना → जीन्स, मैक्डोनाल्ड, ATM, पेप्सी, टूथपेस्ट, स्पाइडर मैन, और विडियो गेम आदि।

⇒ सोवियत संघ में नीली जीन्स - 'अच्छे जीवन' का प्रतीक बन गई।

⇒ अमरीका ने सबसे बड़ी जीत सांस्कृतिक प्रभुत्व के दायरे में हासिल की।

Page No.: PANKAJ
Date: / /

9. अमरीकी शक्ति के रास्ते में अवरोध :—

⇒ अमरीकी वर्चस्व के मार्ग की तीन प्रमुख बाधाएँ है—

(i) अमेरिका की संस्थागत बुनावट।

(ii) अमेरिकी राजनीतिक संस्कृति में शासन के उद्येश्य व तरीकों को लेकर गहरा सन्देह होना।

(iii) नाटो देशो द्वारा अमेरिका को चुनौती मिलने की आशंका।

10. अमेरिका से भारत के संबंध :—

⇒ शीतयुद्ध के पश्चात भारत द्वारा अपनी अर्थव्यवस्था का उदारीकरण करने एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ने के फैसले ने उसे संयुक्त राज्य अमेरिका के निकट ला दिया है—

⇒ आर्थिक एवं परमाणु उर्जा के मुद्दे पर कई समझौते हुए हैं।

- सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में भारत के कुल निर्यात का 65% अमरीका को जाता है।
- बोईंग के 35% तकनीकी कर्मचारी भारतीय मूल के हैं।
- 3 लाख भारतीय 'सिलिकन वैली' में काम करते है।
- उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की 15% कंपनियो की शुरुआत अमरीका में बसे भारतीयों ने की है।

⇒ भारत में तीन संभावित रणनीतियों पर बहस :—

(i) अमेरिका से दूरी बनाए रखे।
(ii) अमरीकी वर्चस्व का फायदा उठाए।
(iii) भारत अपनी अगुआई में विकासशील देशों का गठबंधन बनाए। ताकि अमरीकी वर्चस्व का प्रतिकार हो सके।